

प्रेषक,

मनीषा पंवार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 30 जून, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु "महिला उद्यमियों के लिये विशेष प्रोत्साहन" योजनान्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31.03.2016 तथा उद्योग निदेशालय के पत्र संख्या:-536/उ0नि0(पांच)/एम.एस.एम.ई.(म.उ.)/2016-17 दिनांक 16.05.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु "महिला उद्यमियों के लिये विशेष प्रोत्साहन" योजनान्तर्गत लेखानुदान द्वारा प्राविधानित धनराशि ₹ 16.67 लाख (सोलह लाख सड़सठ हजार मात्र) में से प्रथम चरण में ₹8.33 लाख (आठ लाख तैंतीस हजार मात्र) संलग्न ऑलाटमेंट आई0डी0 के अनुसार निम्न प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन व्यय किये जाने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उक्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अपने अधीनस्थ कार्यालयाध्यक्ष/आहरण वितरण अधिकारियों को स्वीकृत धनराशि का आवंटन इन्टरनेट के माध्यम से साफ्टवेयर द्वारा किया जाना सुनिश्चित करें। स्वीकृत धनराशि नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही किश्तों में आहरित एवं व्यय की जायेगी।
- (ii) वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड में निर्धारित प्रपत्रों एवं निर्देशों के अनुसार व्यवस्थित करते हुए नियमित रूप से शासन को प्रेषित किया जायेगा।
- (iii) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही हैं। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (iv) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31.03.2016 में इंगित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन किया जायेगा।
- (v) स्वीकृत धनराशि के व्यय के अनुरूप लाभार्थियों द्वारा संचालित योजनाओं का विस्तृत विवरण एवं लाभार्थियों की सूची माहवार शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी तथा लाभार्थियों से प्राप्त धनराशि का विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (vi) स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2017 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2017 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

2. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-23, के मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 30-महिला उद्यमियों के लिये विशेष प्रोत्साहन योजना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

3. ये आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अ०शा० संख्या:-166/XXVII(2)/2016 दिनांक 21 जून, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:- अलॉटमेंट आई०डी०

भवदीया,

(मनीषा पंवार)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 942(1)/VII-2/16/98-एम०एस०एम०ई०/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्य हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवराय विल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, भोपालपानी, देहरादून।
3. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
4. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
5. निदेशक, वित्त एवं कोषागार सेवायें, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
7. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

(डा० आर० राजेश कुमार)
अपर सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20162017

Secretary, Small & Medium Scale Industry (S066)

आवंटन पत्र संख्या -

अनुदान संख्या - 023

अलोटमेंट आई डी - S1606230259

आवंटन पत्र दिनांक 27-Jun-2016

HOD Name - Director Industries (2052)

1: लेखा शीर्षक 2851 - ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग
102 - लघु उद्योग
00 -

00 -

30 -

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	0	833000	833000
	0	833000	833000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

833000